No. of Printed Pages : 4

BES-001

01695

DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION (D.EL.Ed.)

Term-End Examination

June, 2014

BES-001 : UNDERSTANDING THE ELEMENTARY SCHOOL CHILD

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) **All** the questions are **compulsory**.*

*(ii) **All** questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words.

Describe social world of children. Discuss the influence of region, caste and class on the social world of a child.

OR

Explain the basic principles to be followed in organising play for children. Discuss the importance of play in the development of imagination and creativity in children.

2. Answer the following question in about 600 words.

Explain the concept "Child". Discuss the commonalities and diversities of childhood with examples.

OR

Describe the meaning of the term "difficult context". Discuss different types of difficult contexts in which children grow up with examples.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words :

(a) Describe relationship of a child with peers in the context of aggression and bullying.

(b) What is Vygotsky's socio-cultural perspective on learning and cognitive development in children ? Explain.

(c) "Gender is a social construction". Discuss it with examples.

(d) Differentiate between inclusive education and integrated education with examples.

(e) Discuss observation as a tool of research in understanding children.

(f) Describe the various dimensions of child development.

4. Answer the following question in about **600** words.

Explain the meaning of classroom research and its importance at the elementary school. Discuss your role as a researcher in understanding children in your school/classroom situations.

प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.एल.एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

बी.ई.एस.-001 : प्रारम्भिक विद्यालयी बच्चे को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** हैं।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

बच्चों के सामाजिक संसार की व्याख्या कीजिए । क्षेत्र, जाति तथा वर्ग का एक बच्चे के सामाजिक संसार में होने वाले प्रभाव की चर्चा कीजिए।

अथवा

बच्चों के खेल आयोजित करते समय ध्यान रखने वाले मूलभूत सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। बच्चों में कल्पनाशीलता तथा सृजनात्मकता के विकास में खेलों के महत्व की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

''बच्चा'' शब्द की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। बचपन की समानताओं और विभिन्नताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

''कठिन संदर्भ'' शब्द के अर्थ की व्याख्या कीजिए। विभिन्न प्रकार के कठिन संदर्भों की उदाहरण द्वारा व्याख्या कीजिए जिनमें बच्चे बड़े होते हैं।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग **150** शब्दों में हो :

(a) एक बच्चे की आक्रामकता तथा डराना-धमकाना के संदर्भ अपने सहपाठियों के साथ संबंध की व्याख्या कीजिए।

(b) बच्चों के अधिगम तथा संज्ञानात्मक विकास के बारे में व्यागोत्सकी की सामाजिक सांस्कृतिक धारणा क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(c) "लिंग एक सामाजिक व्याख्या है।" इसकी व्याख्या उदाहरणों की सहायता से कीजिए।

(d) समेकित तथा समावेशी शिक्षा में अंतर उदाहरणों की सहायता से समझाइये।

(e) "बच्चों को समझने में प्रेक्षण एक अनुसंधान के लिए उपकरण है" व्याख्या कीजिए।

(f) बच्चे के विकास के विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। कक्षागत अनुसंधान का क्या अर्थ है? तथा इसका प्रारंभिक विद्यालयों में क्या महत्व है? समझाइये अपने विद्यालय/कक्षागत परिस्थितियों में बच्चों को समझने में आपकी एक अनुसंधानकर्ता के रूप में भूमिका की चर्चा कीजिए।